

असाधारगा EXTRAORDINARY

भाग II—सण्ड 3—उप-सण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-section (il)

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

HO 494

नई विख्ली, सोमवार, नबम्बर 2, 1981/कार्तिक 11, 1903

No. 494]

NEW DELHI, MONDAY, NOVEMBER 2, 1981/KARTIKA 11, 1903

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलम के रूप में रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विद्याग) श्रावेश

नई विरुली, 2 नवस्वर, 1981

करा० आ० 784 (अ) -- 18 कक आई०डी० आर० ए०/81 -- केन्द्रीय सरकार ने उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1952 (1951 का 65) की धारा 18 वक की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के भूतपूर्व औद्योगिक विकास सन्नालय के आदेश स० का० आ० 695 (अ)/18 कक/आई० डी० आर० ए०/72 तारीख 3 नवस्थर, 1972 (जिसे इसमे इसके पश्चात् प्रवन्ध ग्रहण आदेश कहा गया है) द्वारा भारत के औद्योगिक पुर्नगठन निगम विमिटेड, कलकत्ता को, मैसर्स गणैश फनोर मिल्स कम्पनी विमिटेड विल्ली (जिसे इसमे इसके पश्चात् उक्त उपक्रम कहा गया है) नामक औद्योगिक उपक्रम का 2 नवस्थर, 1977 सक पांच वर्ष की अवधि के लिए जिसके अन्तर्गत यह तारीख भी है, प्रवन्ध ग्रहण करने के लिए प्राधिकृत किया था :

श्रीर केन्द्रीय सरकार ने श्रपनी यह राय हाने पर कि लोकहित में ऍसा करना समीचीन है भारत सरकार के श्रीद्योगिक विभाग के श्रादेश स० का० श्रा० 742 (श्र) तारीख 1 नवम्यर, 1977 का० श्रा० 630 (श्र), नारीख 2 नवस्थर, 1977 का० आ० 873 (ग्र) तारीख 1 नवस्थर, 1980 भीर का० आ० 331 (ग्र) तारीख 2 मई, 1981 द्वारा प्रथन्ध ग्रहण भादेश भी भवधि 2 नवस्थर, 1981 तक, जिसके भ्रन्तर्गत वह नारीख भी भक्षा दी भी,

भीर केन्द्रीय सरकार की यह राथ है कि लोकहित में यह समीचीन है कि प्रबन्ध ग्रहण श्रादेण 2 मई, 1982 तक की भीर प्रवधि के लिए जिसके अन्तर्गत यह तारीख भी है, प्रभावी बना रहे,

श्रत केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 कक की उपद्वारा (2) के साथ पिठन उपधारा (1) द्वारा प्रवत णिक्तयों का प्रयोग करते हुए यह निवेश करती है कि प्रवन्ध ग्रहण खावेण 2 मई, 1982 तक की धवधि के लिए जिसके अन्तर्गत यह तारीख भी है, प्रभावी बना रहेगा और यह भी निवेश करती है कि उक्त उपक्रम का प्रवन्ध इस भादेश के पैरा 2 में निविश्व प्रवध बोई द्वारा निम्निविधत निवन्धनों और णतौं पर, किया जाएगा, अर्थान्—

(1) प्रवश्य बोर्ड समय-समय पर केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए सभी अनुदेशों का पालन करेगा

- (2) बोर्ड 2 मई, 1982 तक, जिसके श्रन्तर्गत यह नारीख भी है, पदम्य रहेगा
- (3) केन्द्रीय सरकार यदि ऐसा करना धावध्यक समझती है तो उक्त प्रक्रमध बोर्ड या प्रवन्ध बोर्ड के किसी सदस्य की नियनित को बिना कोर्ड कारण बताए 2 मई 1982 से पूर्व समाप्त धार सनेगी।
- 2 प्रवन्ध बार्ड निम्नलिखित से मिलकर गठित होगा, प्रथति ---

ग्राध्यक

 श्री ए० बन्दयोपाध्याय, संयुक्त सचिव, नागरिक पृति संस्नालय, नई दिल्ली।

सदस्य

- 2 मूख्य निवेणक. थनस्पति वनस्पति तेल तथा क्सा निवेणालय. नागरिक पूर्ति मतालय नई दिल्ली।
 - तेखा नियतंक,
 वाणिष्य ग्रौर नागरिक पूर्ति महालय-नई दिल्ली ।
- मचित्र, उत्तर प्रदेण सरकार,
 ख्राद्य एवं नागरित पृति विभाग,
 लखनऊ
- राचित,पजाब सरकार,
 खाद्य एव पूर्ति विभाग,
 खण्डीगढ ।
- म्रुप इंग्लेक्युटिव (खाद्य तेल)
 भारतीय राज्य व्यापार निगम,
 36, जनपथ चन्द्रलोक, नई दिल्ली।
- सयुक्त सचित्र, भारत सरकार,
 श्रीद्योगिक विकास विभाग, नई दिल्ली ।
- मुख्य कार्यपालक गणेश फ्लोर मिल्स वस्पनी लि०, सटबी मण्डी, दिल्ली।
- उप मुख्य कार्यपालक,
 गणेण फ्लोर मिल्स कम्पनी लि०,
 सक्ती मण्डी, विल्ली ।

[फा० मं० 1(6)/80-मी०यू०एम०]

चन्द्र किमोर मोदी, संयक्त सचित्र

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 2nd November, 1981

S.O. 784(E)/18AA/IDRA/81.—Whereas by the Order of the Government of India in the late Ministry of Industrial Development No. S. O. 695(E)|18AA|IDRA|72 dated the 3rd November, 1972 (hereinafter referred to as the taking over of management order), the Central Government in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1965), authorised the Industrial Reconstruction Corporation of India Limited, Calcutta, to take over the

management of the industrial undertaking known as messis. Ganesh Flour Mills Company Limited, Delhi (hereinafter referred to as the said undertaking), for a period of five years upto and inclusive of the 2nd day of November, 1977;

And, whereas by the orders of the Government of India in the Department of Industrial Development Nos S. O. 743(E), dated the 1st November, 1977, S. O. 630(E), dated 2nd November, 1979, S. O. 873(E), dated the 1st November, 1980, and S.O. 331(E), dated the 2nd May, 1981, the Central Government being of the opinion that it is expedient in the public interest has extended the period of the taking over of management Order upto and inclusive of the 2nd day of November, 1981;

And, whereas the Central Government is of opinion that it is expedient in the public interest that the taking over of management Order should continue to have effect for a further period upto and inclusive of the 2nd day of May, 1982;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) read with sub-section (2) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the taking over of management Order shall continue to have effect for a further period upto and inclusive of the 2nd day of May, 1982 and that the said undertaking shall be managed by the Board of Management referred to in paragraph 2 of this order subject to the following terms and conditions, namely:—

- (i) the Board of Management shall comply with all directions issued from time to time by the Central Government;
- (ii) the Board shall hold office upto. and inclusive of the 2nd day of May, 1982;
- (iii) the Central Government may terminate, without assigning any reason, the appointment of the said Board of Management, or any member thereof, earlier than the 2nd day of May 1982, if that Government considers necessary to do so.
- 2. The Board of Management shall consist of the following namely:—

CHAIRMAN

 Shri A. R. Bandyopadhyay, Joint Secretary, Ministry of Civil Supplies, New Delhi.

MEMBER

- 2. Chief Director, Directorate of Vanaspati, Vegetable Oils and Fats, Ministry of Civil Supplies, New Delhi.
- Controller of accounts, Ministry of Commerce and Civil Supplies, New Delhi.
- Sccretary to the Government of Uttar Pradesh, Food and Civil Supplies Department, Lucknow.
- Secretary to the Government of Punjab, Food and Supplies Department, Chandigarh.
- Group Executive (Edible Oils), State Trading Corporation of India, 36, Janpath, Chandralok, New Delhi,
- Joint Secretary to the Government of India, Department of Industrial Development, New Delhi.
- 8 Chief Executive, Ganesh Flour Mill, Compay Ltd., Sabzi Mandi, Delhi.
- Deputy Chief Executive, Ganesh Flour Mills Company Limited, Delhi.

[F. No. 4(6)]80-Cus]

C. K. MODI, Jt. Seev.